प्रकृति प्रकोप में हिम्मतवान बनो

आज हम प्यारे बापदादा के पास पहुँची और बाबा को जो वर्तमान समय में अर्थक्वेक आदि हो रही हैं और एनाउन्स भी होता रहता है कि ऐसे झटके और भी आने वाले हैं, उसका समाचार सुनाया और बाबा को कहा सब तरफ से आने वाली पार्टियाँ पूछती हैं कि हम बाबा के प्रोग्राम में आवें ? तो बाबा मुस्कराते हुए बोले – बच्चे, देखो ये प्रकृति के छोटे-छोटे प्रकोप तो होने ही हैं। जो हिम्मतवान बच्चे हैं, कोई संकल्प नहीं रखते वो भल आवें। बाकी जो भय में होंगे, अन्दर भिन्न-भिन्न संकल्प चलते होंगे, उन्हों का मधुबन में आने के बाद भी मन नहीं लगेगा इसलिए वे भले नहीं आवें। बाकी हिम्मत रखने वाले बच्चे भले आवें। ऐसे कहते बाबा ने सभी बच्चो को बहुत-बहुत याद दी।